DECEMBER 2017 **P/ID 38061/PHNA**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

SECTION A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों ।

1. करुणा किसे कहते हैं?

2. कवि और सौंदर्यबोध पर शुक्ल जी के विचार क्या हैं?

3. स्कन्दगुप्त की व्यवहार कुशलता का परिचय दीजिए।

4. नाटककार प्रसाद का परिचय दीजिए।

5. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर विचार कीजिए।

6. शंकरशेष का परिचय दीजिए।

7. 'अंधेर नगरी' एकांकी का संदेश क्या है?

8. 'तमस' उपन्यास के नत्थू का परिचय दीजिए।

9. ‘तमस’ उपन्यास के उद्देश्य को बताइए।

10. कफन कहानी की प्रधान समस्या क्या है?

SECTION B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

11. बुद्धि से भक्ति करना ऐसा ही है, जैसे नाक से खाना और कान सूँघना।

12. इस जगत् में न तो सदा और सर्वत्र लहलहाता वसंत-विकास रहता है, न सुख-समृद्धिपूर्ण हास-विलास।

13. सम्राट की मति एक सी नहीं रहती, वे अव्यवस्थित और चंचल हैं। इस अवस्था में वे विलास की अधिक मात्रा से केवल जीवन के जटिल सुखों की गुत्थियाँ सुलझाने में व्यस्त हैं।

14. इसलिए कि तू देशद्रोही है। तू राजकुल की शांति का प्रलय मेघ बन गया; और तू साम्राज्य के कुचक्रों में से एक है।

15. खाक निबट लोगे। नौकरी छोड़कर बैठ जाओगे। क्या अकेले तुम्हीं ने दुनिया को सुधारने का ठेका ले रखा है?

16. तो तुम स्त्री किस बात की हो? अरे, नकल वगैरह पकड़ना जूनियर लेक्चररों का काम है, सीनियर लोगों को क्या शोभा देता है?

17. दुहाई परमेश्वर की, अरे मैं नाहक मारा जाता हूँ। अरे यहाँ बड़ा ही अन्धेर है, अरे गुरूजी महराज का कहा मैंने न माना उसका फल मुझ को भोगना पड़ा।

18. आपके कष्ट करने की आवश्यकता नहीं। मुझे किसी का एहसान नहीं चाहिए। मैं अशोक के साथ चली जाऊँगी।

SECTION C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों ।

19. "काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था" निबंध की समीक्षा कीजिए।

20. 'स्कन्दगुप्त' नाटक की ऐतिहासिकता पर विचार कीजिए।

21. स्कन्दगुप्त का चरित्र-चित्रण कीजिए।

22. 'एक और द्रोणाचार्य' नाटक के प्रतिपाद्य विषय की समीक्षा कीजिए।

23. 'मैमूना' एकांकी की समीक्षा कीजिए।

24. 'तमस' उपन्यास में चित्रित समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

25. उपन्यास तत्वों के आधार पर 'तमस' का मूल्यांकन कीजिए।

26. कहानी तत्वों के आधार पर 'चित्र का शीर्षक' कहानी की समीक्षा कीजिए।

DECEMBER 2017 **P/ID 38062/PHNB**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. मैथिली शरण गुप्त का परिचय दीजिए।

2. मनु की चिंता का क्या कारण है?

3. कुरुक्षेत्र में प्रतिपादित सांस्कृतिक चेतना को स्पष्ट कीजिए।

4. राम की ग्लानि क्या थी?

5. शोषक वर्ग के प्रति निराला के विचारों को बताइए।

6. पंत के किन्हीं छः काव्यों के नाम गिनाइए।

7. महादेवी का काव्यादर्श क्या है?

8. अज्ञेय को प्रयोगवादी कवि क्यों कहा गया है?

9. मुक्तिबोध की फांटसी का परिचय दीजिए।

10. पूँजीवादी व्यवस्था पर धूमिल का विचार क्या है?

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच की सप्रसंग व्याख्या लिखिए।

11. हुआ एक दुस्वप्न – सा सखि कैसा उत्पात,
जगने पर भी वह बना वैसा ही दिन – रात!
खान – पान तो ठीक है पर तदनन्तर हाय!
आवश्यक विश्राम जो उसका कौन उपाय?

12. विकल हुआ – सा काँप रहा था, सकल भूत चेतन समुदाय,
उनकी कैसी बुरी दशा थी वे थे विवश और निरूपाय।
देव न थे हम और न ये हैं, सब परिवर्तन के पुतले,
हाँ कि गर्व – रथ में तुरंग – सा जितना जो चाहे जुत ले।

13. युद्ध को तुम न्द्य कहते हो, मगर –
जब तलक हैं उठ रहीं चिनगारियाँ –
भिन्न स्वार्थों के कुलिश – संघर्ष की,
युद्ध तब तक विश्व में अनिवार्य है।

14. त्याग, तप, करुण, क्षमा से भोगकर
व्यक्ति का मन तो बली होता, मगर
हिंस, पशु जब घेर लेते हैं उसे,
काम आता है बलिष्ठ शरीर ही।

15. जब से किया है
रामेश्वर – शिविरवास
देखता हूँ प्रिय हुआ है आपको
एकांतवास
तब से यह संशय भी
अनिश्चय भी
घेरे हैं।

16. शून्य से बन जाओ गम्भीर
त्याग की हो जाओ झंकार
इसी छोटे प्याले में आज
डुबा डालो सारा संसार

17. पहले बिछाता है आलोक की
लाल – लाल कनियाँ
पर जब खींचता है जाल को
बाँध लेता है सभी को साथ:

18. चीखों के दायरे समेटे
ये अकाल के चिन्ह अकेले
मनहूसी के साथ खडे हैं
खेतों में चाकू से ढेले।

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हों।

19. मैथिली शरण गुप्त की काव्य कला का परिचय दीजिए।

20. कामायनी के रूपक तत्व पर विचार कीजिए।

21. भीष्म का चरित्र – चित्रण कीजिए।

22. नरेश मेहता के द्वारा प्रतिपादित आधुनिकता बोध पर विचार कीजिए।

23. 'संशय की एक रात के' राम का चरित्र – चित्रण कीजिए।

24. 'महादेवी वर्मा वेदना की कवइत्री है' – स्पष्ट कीजिए।

25. पंत के प्रकृति – चित्रण की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

26. पठित कविताओं के आधार पर मुक्तिबोध की काव्य कला का परिचय दीजिए।

———————

DECEMBER 2017 **P/ID 38063/PHNC**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

SECTION A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों ।

1. आदिकाल के नामकरण के दोष बताइए।

2. भक्तिकाल की शाखाओं के नाम गिनाइए।

3. ज्ञानमार्ग से क्या तात्पर्य है?

4. जायसी का परिचय दीजिए।

5. रीतिकाल को वह नाम क्यों पड़ा?

6. रीति सिद्ध कवियों के नाम गिनाइए।

7. छायावाद का पतन क्यों हुआ?

8. नई कविता किसे कहते हैं?

9. 'परीक्षा गुरू' को हिन्दी का प्रथम उपन्यास क्यों माना गया है?

10. रेखाचित्र किसे कहते हैं?

SECTION B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में हों।

11. रासो को प्रामाणिक माननेवाले विद्वानों के विचारों को लिखिए।

12. निर्गुण भक्ति साहित्य की प्रमुख विशेषताओं को बताइए।

13. कबीरदास के विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

14. कृष्ण भक्ति साहित्य की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

15. केशवदास के आचार्यत्व पर विचार कीजिए।

16. द्विवेदी युगीन साहित्यिक परिस्थितियों को स्पष्ट कीजिए।

17. प्रगतिवादी काव्य का उद्भव क्यों और कैसे हुआ? – स्पष्ट कीजिए।

18. खड़ीबोली गद्य के विकास में फोर्ट विलियम कॉलेज के योगदान को स्पष्ट कीजिए।

SECTION C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हों ।

19. हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन की समस्याओं पर चर्चा कीजिए।

20. वीरगाथा काल की परिस्थितियों को समझाइए।

21. भक्तिकाल की परिस्थितियों को समझाइए।

22. 'भक्तिकाल हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग है' – स्पष्ट कीजिए।

23. रीतिकालीन साहित्य की प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

24. द्विवेदीकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियों को स्पष्ट कीजिए।

25. हिन्दी कहानी साहित्य के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

26. हिन्दी निबंध साहित्य के उद्भव और विकास पर एक लेख लिखिए।

DECEMBER 2017 **P/ID 38064/PHND**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. हिन्दी के विकास संबंधी मान्यताएँ क्या हैं?

2. हिन्दी शब्द की उत्पत्ति के बारे में विचार कीजिए।

3. दक्षिण में हिन्दुस्तानी भाषा का प्रयोग कैसे हुआ?

4. भिन्न-भिन्न भाषाई समाजों की समस्या क्या है?

5. पत्रकारिता किसे कहते हैं?

6. अंकों के बारे में क्या निर्देश हैं?

7. 'क' क्षेत्र में आने वाले राज्यों के नाम बताइए।

8. प्रयोजनमूलक हिन्दी से तात्पर्य क्या है?

9. समाचार पत्रों की भाषा कैसी होनी चाहिए?

10. नेमी टिप्पण किसे कहते हैं?

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं <u>पाँच</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में हों।

11. राजभाषा के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

12. विधिक और वाणिज्यिक भाषा में अंतर बताइए।

13. अनुच्छेद 343 को समझाइए।

14. अन्वेषणात्मक पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं?

15. द्विवेदी युगीन पत्रकारिता के स्वरूप पर विचार कीजिए।

16. समाचार एजेन्सियों के महत्व को सझझाइए।

17. संपादक मंडल के कार्यों को बताइए।

18. विशेष संवाददाता किसे कहते हैं? उसके कर्तव्यों पर प्रकाश डालिए।

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं <u>पाँच</u> प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हों।

19. हिन्दी भाषा के उद्भव और विकास पर एक निबंध लिखिए।

20. हिन्दी–उर्दू–हिदुस्तानी का परिचय दीजिए।

21. प्रारूपण के समय ध्यान रखने योग्य बातों पर विचार कीजिए।

22. पदोन्नति की सूचना देते हुए एक कार्यालय आदेश लिखिए।

23. आदेशित माल का मूल्य अधिक लगाने की शिकायत करते हुए एक शिकायती पत्र लिखिए।

24. पत्रकारिता के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

25. पत्रकारिता के महत्व पर प्रकाश डालिए।

26. हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास पर एक निबंध लिखिए।

———————

(6 pages)

DECEMBER 2017 **P/ID 38065/PHNE**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. स्त्रोत भाषा किसे कहते हैं?

2. पुनर्गठन से क्या तात्पर्य हैं?

3. अनुवाद में पाठ – पठन के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

4. सारानुवाद किसे कहते हैं?

5. समतुल्यता से आप का तात्पर्य क्या है?

6. अर्थ विज्ञान किसे कहते हैं?

7. किन्हीं दो के हिन्दी रूप लिखिए।

   approved as proposed, forwarded and recommended, for signature, with reference to the above.

8. किन्हीं दो के अँग्रेजी रूप लिखिए।

   अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया जाय, विलंब के लिए खेद है, विमर्श कीजिए, सूचनार्थ

9. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

Hindi is a fast developing as a lingua franca of India and it is becoming popular as a powerful medium of Indian culture in foreign countries. Translation between Hindi and other Indian and foreign languages been gathering momentum during last few years.

10. अँग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

सृष्टि के प्रारंभ से ही प्राकृतिक विकिरण हमारे पर्यावरण का अभिन्न अंग रहा है। मनुष्य हमेशा से विकिरण के साथ ही रहता आया है।

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में हों।

11. अनुवाद की आवश्यकता को स्पष्ट कीजिए।

12. अनुवाद के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

13. अनुवादक के गुणों का परिचय दीजिए।

14. अनुवाद और रूपविज्ञान के संबंधों पर टिप्पणी लिखिए।

15. अनुवाद में सांस्कृतिक शब्दावली की समस्या को स्पष्ट कीजिए।

16. अनुवाद में वाक्य रचना की व्याकरणिक समस्या का समाधान क्या है? सोदाहरण समझाइए।

17. अँग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

पिछले विचार - विमर्शों से यह अनुमान किया जाता है कि आर्थिक सिद्धांत मानव निर्मित नियमों के समान नहीं है। फिर भी मानव निर्मित नियम, आर्थिक गति विधियों को गंभीर रुप से प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए यदि पूँजीवादी समाज में शुल्क निर्धारण खुली प्रतिस्पर्धा पर आधारित है, तो यह वस्तुत: स्पष्ट है कि जब कभी सीमा शुल्क निर्धारित किया जाता है तब उस सीमा शुल्क से प्रभावित होने वाले क्षेत्र की खुली स्पर्धा में भी संशोधन होता है।

18. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

The compulsory contribution of wealth from citizens for the support of the state is known as taxation. Primarily the purpose of taxation is to meet the expenses of Government Services that are common to all citizens. Taxes, then, are to defray the expenditure made by the government when it is action in the interest of all.

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हों।

19. लिखित और मौखिक अनुवाद के अंतर को स्पष्ट करते हुए, लिखित और मौखिक अनुवाद में होनेवाली समस्याओं को समझाइए।

20. अनुवाद और ध्वनि विज्ञान के संबंधों को समझाइए।

21. छंद और अलंकारों के अनुवादों में उठनेवाली समस्याएँ कौन – सी हैं? – स्पष्ट कीजिए।

22. कार्यालयी अनुवाद करते समय ध्यान देने योग्य बातें कौन सी हैं?

23. विज्ञान और साहित्यिक अनुवाद में अंतर क्या है? – सोदाहरण समझइए।

24. मूल लेखक और अनुवादक के व्यक्तित्व की समस्याएँ कौन सी हैं? – विचार कीजिए।

25. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

Translation, as some would presume, is not an easy task. It is some – times more challenging and difficult than creating original work, more so when the languages involved are not cognate. Kashmiri and Hindi are, undoubtedly at deeper levels cognate languages and therefore, shade many linguistic and semantic features. But, at the same time, both these languages possess certain non translatable special culture specific and linguistic characteristics, identifiable at the level of lexical items, grammatical structures, sentence

categories etc., which pose, and always will, problems for a translator. Our main concern in this brief study was to identify these 'difficult' areas and not to suggest remedies, certainly in an attempt to find ways and means to over come these problems. Identifying problems in itself is a process and an attempt towards over coming such problems.

26. अँग्रेजी में अनुवाद कीजिए।

प्रस्तुत ग्रंथ पत्राचार द्वारा हिन्दी एवं विश्व की अन्य प्रमुख भाषाओं के परस्पर अनुवाद की भाषावैज्ञानिक समस्याओं पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय परिसंवाद का परिणाम है। सबसे पहले संयोजक ने अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वानों एवं संस्थाओं से संपर्क करके हिन्दी एवं अन्य भाषाओं के परस्पर अनुवाद के क्षेत्र में कार्य करनेवाले विद्वानों के बारे में सूचना प्राप्त करने का प्रयास किया। उन सब की प्रतिक्रिया बहुत ही अनुकूल निकली, तदनन्तर भारतीय एवं विदेशी विद्वानों की एक सलाहकारी समिति बनायी गयी और अनुवाद विशेषज्ञों को हिन्दी या अंग्रेजी में परिसंवाद के लिए लेख भेजने का अनुरोध करते हुए पत्र भेजा गया। मूल रूप से भारतीय भाषाओं सहित कुल पैंतीस भाषाओं को परिसंवाद में सम्मिलित करने का संकल्प किया गया था। इस सम्बन्ध में

पत्र – व्यवहार करीब दो वर्ष तक चलता रहा। अब हमें हिन्दी एवं अन्य भाषाओं के परस्पर अनुवाद की सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक समस्याओं पर छत्तीस लेख प्राप्त हुए हैं। इनके अलावा अंत में एक परिचर्चा भी संयोजित है। पिछले अनेक वर्षों से हिन्दी विश्व के ज्यादातर देशों में पढ़ाई जा रही है और अनुवाद का कार्य भी होता रहा है। फिर भी हिन्दी तथा अन्य भाषाओं के परस्पर अनुवाद की समस्याओं एवं संभावनाओं पर कोई अध्ययन अब तक नहीं हो सका है। प्रस्तुत परिसंवाद इस दिशा में एक मौलिक प्रयास है।

DECEMBER 2017 **P/ID 38066/PHNF**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों।

1. पृथ्वीराज का परिचय दीजिए।

2. ईश्वर के प्रति कबीर की क्या धारणा थी?

3. तुलसी की रचनाओं के नाम गिनाइए।

4. मनुष्य जीवन के संबंध में सूरदास का क्या विचार था?

5. सूफी साधना पद्धतियों को बताइए।

6. गोपियों को उद्धव ने क्या संदेश दिया?

7. बिहारी ने राधा की स्तुति कैसे की?

8. बिहारी को श्रृंगार के कवि क्यों कहा गया है?

9. घनानंद के प्रेम का आदर्श क्या है?

10. घनानंद का परिचय दीजिए।

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

11. ज्यों रुकमनि कान्हर वरी,

ज्यों वरि संभरि कांत।

शिव मण्डप पच्छिम दिशा,

पूजि समय स-प्रांत।।

12. विरहिण थी तो क्यूँ रहीं, जली न पिव के नालि।

रहु-रहु मुगध गहेलड़ी, प्रेम न लाजू मारि।।

13. घट माँहे औघट लह्या, औघट माहैं घाट।

कहि कबीर परचा भया, गुरु दिखाई बाट।।

14. लागेउ माँह परै अब पाला। विरहा काल भएउ जड़काला।।

पहल पहल तन रूई जो झाँपै। हहलि हहलि अधिकौ हिय काँपै।।

आइ सूर होइ तपु रे नाहा । तेहि बिनु जाड़ न छूटै माहाँ।।

एहि मास उपजै रस धूलू। तूँ सो भँवर मोर जोवन फूलू।।

15. गोकुल सबै गोपाल उपासी।

जोग-अंग साधन जे ऊधो ते सब बसत ईसपुर कासी।

यद्यपि हरि हम तजि अनाथ करि तदपि रहति चरननि रसरासी।

अपनी सीतलताही न छाँडति यद्यपि है ससि-राहु गरासी।

का अपराध, जोग लिखि पठवत प्रेम भजन तजि करत उदासी।।

16. सुनि सुर बिनय ठढ़ि पछिताती। भइउ सरोज बिपिन हिमराती।।

देखि देव पुनि कहहि निहोरी। मातु तोहि नहिं थोरिउ खोरी।।

बिसमय हरष रहित रघुराऊ। तुम्ह जानहु सब राम प्रभाऊ।।

जीव करम बद सुख दुख भागी। जइऊ अवध देव हित लागी।.

17. पलनु पीक, अंजन अधर, धरि महावरू भाल।

आज मिले, सुभली करी, भले बने हौं जाल।

18. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो नयो लागत ज्यौं ज्यौं निहारियै।

त्यौं इन आँखिन बानि अनोखी,अँखिनि कहूं नहिं आनि तिहारियै।।

एक ही जीव हुतौ सतौ वार्यौ सुजान, सकोच औ सोच सहारियै।

रोकी रहै न, दहै घनानंद बावरी रीझ के हाथनि हारियै।।

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों।

19. ‘पद्मावती समय’ के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालिए।

20. कबीरदास की रहस्यानुभूति पर विचार कीजिए।

21. ‘पद्मावत्’ की अन्योक्ति–समासोक्ति पर विचार कीजिए।

22. ‘सूरदास पुष्टिमार्ग के जहाज़ हैं’ – स्पष्ट कीजिए।

23. ‘रामचरित मानस’ के महाकाव्यत्व पर विचार कीजिए।

24. बिहारीलाल के काव्य में चित्रित वियोग श्रृंगार वर्णन पर प्रकाश डालिए।

25. घनानंद के काव्य के कलापक्ष का विवेचन कीजिए।

26. घनानंद की प्रेमानुभूति का मूल्यांकन कीजिए।

———————

DECEMBER 2017 **P/ID 38067/PHNG**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक उत्तर 50 शब्दों में हों ।

1. भाषा में रूप का स्थान क्या है?

2. भाषा के परिवर्तन में संस्कृति की भूमिका क्या है?

3. भाषा दैवी प्रदत्त है – क्यों?

4. भाषा विज्ञान के प्रमुख अंग कौन–कौन से हैं?

5. रूप विज्ञान किसे कहते हैं?

6. भाषा विज्ञान और दर्शन का संबंध–क्या है?

7. आर्य शाखा की भाषाओं के नाम गिनाइए।

8. केलिटिक भाषा का परिचय दीजिए।

9. पहाडी भाषा किसे कहते हैं?

10. सामी हामी परिवार की भाषाएँ कौन सी हैं?

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक उत्तर 250 शब्दों में हों ।

11. भाषा विज्ञान विज्ञान है या कला – स्पष्ट कीजिए।

12. द्रविड परिवार की भाषाओं की विशेषताएँ क्या हैं? उदाहरण के साथ समझाइए।

13. हिन्दी के संख्या वाचक विशेषण कितने प्रकार के हैं? उनके विकास क्रम को बताइए।

14. पर सर्ग किसे कहते हैं? पर सर्गों के विकास को स्पष्ट कीजिए।

15. बोली भाषा कब बनती है – स्पष्ट कीजिए।

16. नागरी लिपि के उद्भव पर प्रकाश डालिए।

17. अर्थ परिवर्तन के कारणों को बताइए।

18. स्वर ध्वनि किसे कहते हैं? स्वर ध्वनियों के प्रकारों को स्पष्ट कीजिए।

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों ।

19. भाषा परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

20. भाषा विज्ञान और साहित्य का संबध क्या है? – स्पष्ट कीजिए।

21. मध्य भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय दीजिए।

22. भाषा के विविध रूपों पर प्रकाश डालिए।

23. ध्वनि नियम से तात्पर्य क्या है? ग्रिम नियम को समझाइए।

24. वाक्य के परिवर्तन के कारणों को सोदाहरण समझाइए।

25. भारतीय लिपियों का परिचय दीजिए।

26. देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता पर विचार प्रस्तुत कीजिए।

DECEMBER 2017

P/ID 38069/PHNJ

Time : Three hours

Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों में हों ।

1. प्रेमचंद ने डिप्टी इन्सपेक्टर नौकरी से त्यागपत्र क्यों दिया?

2. गोदान की कथा योजना क्या है?

3. गोदान में भ्रष्टाचार को निरूपित करनेवाले दो संदर्भों को बताइए।

4. गाय को लेकर होरी का अंतरविरोध क्या है?

5. 'गबन' में चित्रित रिश्वत खोरी की समस्या पर विचार कीजिए।

6. दहेज प्रथा का परिणाम क्या है?

7. सिलिया मातादीन पर विश्वास क्यों करती है?

8. जालपा का परिचय दीजिए।

9. गबन उपन्यास का उद्धेश्य क्या है?

10. 'ईदगाह' कहानी का उद्धेश्य क्या है?

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों में हों।

11. पाश्चात्य संस्कृति के संबंध में प्रेमचंद के विचार क्या थे?

12. 'निर्मला' के उपन्यास में चित्रित प्रमुख समस्याओं को लिखिए।

13. जीवन के प्रति प्रेमचंद का दृष्टिकोण क्या है?

14. गोदान में चित्रित शहरी जीवन की कथा पर विचार कीजिए।

15. गोबर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

16. 'गोदान' में चित्रित वैवाहिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

17. मातादीन और सिलिया के संबंधों पर विचार कीजिए।

18. 'बड़े भाई साहब' कहानी का सारांश लिखिए।

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में हों ।

19. 'गोदान' की कथावस्तु पर विचार कीजिए।

20. गोदान में प्रतिपादित किसानों आर्थिक की समस्या पर प्रकाश डालिए।

21. प्रेमचंद के द्वारा चित्रित वेश्यावृत्ति की समस्या पर विचार कीजिए।

22. गोदान में चित्रित पारिवारिक समस्याओं पर विचार कीजिए।

23. धनिया का परिचय दीजिए।

24. 'गबन' में प्रतिपादित समस्याओं का परिचय दीजिए।

25. उपन्यास सम्राट प्रेमचंद की औपन्यासिक कला का परिचय दीजिए।

26. कहानी तत्वों के आधार पर 'कफन' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

DECEMBER 2017 **P/ID 38070/PHNK**

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (10 × 2 = 20 marks)

सभी प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

1. निबंध किसे कहते हैं?

2. काव्य में शिवं से क्या तात्पर्य है?

3. साहित्य और विज्ञान में अंतर क्या है?

4. मूर्तिपूजा के संबंध में कबीर क्या कहते हैं?

5. लोकतंत्र से मतलब क्या है?

6. प्रदूषण किसे कहते हैं?

7. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं?

8. 'उर्दू' का शब्दार्थ क्या है?

9. बेरोजगारी के कितने प्रकार के हैं?

10. विदेश नीति से मतलब क्या है?

PART B — (5 × 6 = 30 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

11. ‘कला जीवन के लिए’ कहने वाले विद्वानों के तर्क बताइए।

12. कल्पना तत्व के प्रकारों पर विचार कीजिए।

13. प्रदूषण के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालिए।

14. स्वतंत्रतापूर्व भारत की आर्थिक स्थिति पर विचार कीजिए।

15. स्त्री शिक्षा की आवश्यकता पर विचार कीजिए।

16. मानव जीवन में कम्प्यूटर के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

17. बेरोजगारी के कारणों पर विचार कीजिए।

18. भ्रष्टाचार को कैसे नियंत्रित किया जा सकता है?

PART C — (5 × 10 = 50 marks)

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रत्येक उत्तर 500 शब्दों में हों।

19. साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

20. तुलसी के समन्वयवादी विचारों का मूल्यांकन कीजिए।

21. भारत के प्रजातंत्र पर एक निबंध लिखिए।

22. सामाजिक परिवर्तन में शिक्षा की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

23. भारत की नई शिक्षा नीति पर एक लेख लिखिए।

24. मूल्यवृद्धि की समस्या पर प्रकाश डालिए।

25. भारत की विदेश नीति पर चर्चा कीजिए।

26. 'विश्वशांति' पर एक निबंध लिखिए।